







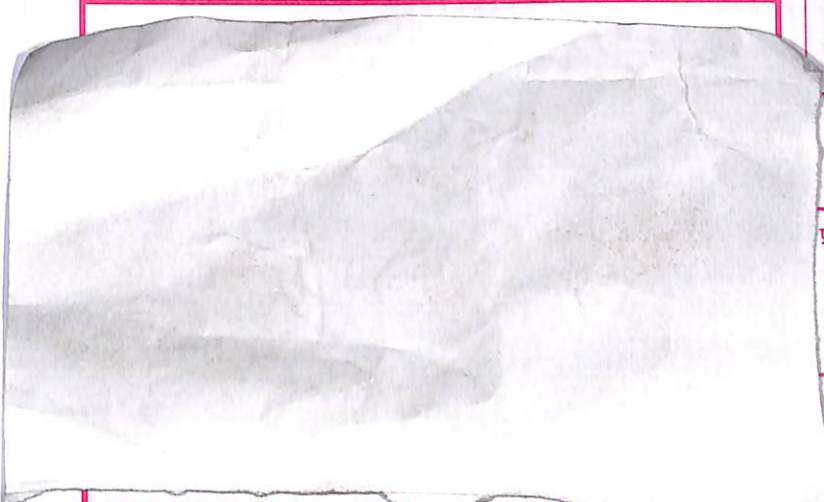
पृष्ठ संख्या-32 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या 127050

# माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

## उच्च माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)



### प्रश्नवार प्राप्तांको की सारणी (परीक्षक के उपयोग हेतु)

| प्रश्नों की क्रम संख्या | प्राप्तांक | प्रश्नों की क्रम संख्या              | प्राप्तांक |
|-------------------------|------------|--------------------------------------|------------|
| 1                       | 8          | 19                                   | 4          |
| 2                       | 4.5        | 20                                   | 4          |
| 3                       | 8          | 21                                   | 1          |
| 4                       | 1.5        | 22                                   | 1          |
| 5                       | 1.5        | 23                                   | 1          |
| 6                       | 1.5        | 24                                   | 1          |
| 7                       | 1.5        | 25                                   | 1          |
| 8                       | 1.5        | 26                                   | 1          |
| 9                       | 1.5        | 27                                   | 1          |
| 10                      | 1.5        | 28                                   | 1          |
| 11                      | 1.5        | 29                                   | 1          |
| 12                      | 1.5        | 30                                   | 1          |
| 13                      | 1.5        | 31                                   | 1          |
| 14                      | 1.5        | योग                                  | 55.5       |
| 15                      | 1.5        | प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off) |            |
| 16                      | 3          | अंकों में                            | शब्दों में |
| 17                      | 3          | 56                                   | 647        |
| 18                      | 3          |                                      |            |

नोट :- परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम - हिन्दी ☒ अंग्रेजी ☐

विषय - गृहविज्ञान

परीक्षा का दिन - मंगलवार

दिनांक - 26-03-2024

नोट :- परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :- (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

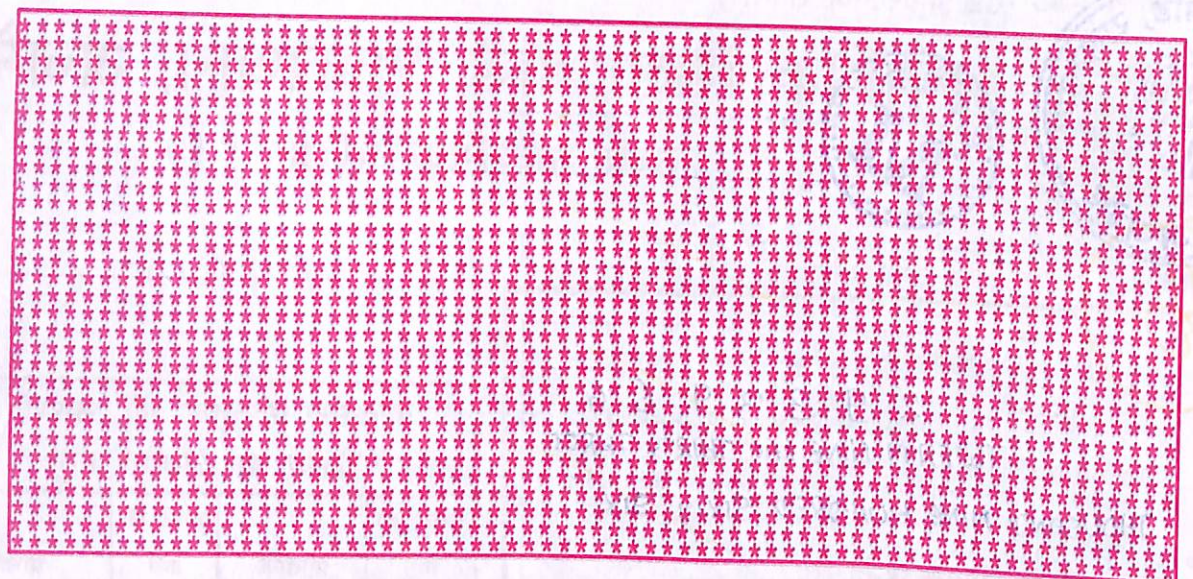
(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थ :  $15\frac{1}{4}$  को 16,  $17\frac{1}{2}$  को 18,  $19\frac{3}{4}$  को 20)

परीक्षक के हस्ताक्षर संकेतांक 333114

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तक के निर्माण में बोर्ड द्वारा प्रदत्त 58 जी.एस.एम. ईको मेपलिया कागज का उपयोग में लिया गया है। 179/2024





### परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंसा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न-पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न-पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:-
  - (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
  - (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर-पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
  - (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध है।
  - (iv) वस्त्र, स्कूल, ज्यामेट्री बॉक्स पर कुछ भी न लिखकर लावें। टेबल के आस-पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
  - (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न-पत्र हिन्दी-अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

- ! प्रश्नोत्तर संख्या :- 1 ! -

8

(i) (अ)

केरल

(ii) (द)

ज्वर

(iii) (द)

उपरोक्त सभी

(iv) (ब)

जैम

(v) (अ)

खाद्य संसाधन

(vi) (द)

उपरोक्त सभी

(vii) (ब)

माँ

(viii) (द)

उपरोक्त सभी

(ix) (स)

तत्व एवं सिद्धांत

(x) (ब)

प्रमुख कार्यालय प्रबंधक लाल और पीला

(xi) (अ)

प्रस्थान

(xii) (ब)

प्रमुख कार्यालय प्रबंधक

(xiii) (द)

उपरोक्त सभी





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(xiv) (अ) (ब) बूलमार्क

(xv) (ब) संदेश की उपयुक्तता तथा सुस्पष्ट अर्थ देना

(xvi) (द) रेडियो प्रसारण

— प्रश्नोत्तर संख्या:-2 —

(i) जीविका

(ii) एक-दी वर्ष

(iii) भौतिक

(iv) बच्चे, वृद्धजन

(v) संस्था

(vi) सामान्य नाम

(vii) धुलाई-घर

(viii) सुसाज्जित शिवर

BSER-392024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ix) ~~प्रशिक्षक केन्द्र~~

(x) सात (7) ।

प्रश्नोत्तर संख्या:- 3

(ii) नैदानिक पोषण:-

बीमारी के समय मरीज को दिया जाने वाला पोषण ही नैदानिक पोषण कहलाता है ।

(iii) मिलावट :-

मिलावट जानबूझ-कर या अनजाने में हो सकती है । जब किसी पदार्थ में से कुछ आवश्यक तत्व निकाल लिए जाएं अथवा उसमें उसी से मिलते-जुलते अनावश्यक पदार्थ मिला दिए जाएं उसे ही मिलावट कहते हैं । इससे पदार्थ की प्रकृति और गुणवत्ता परिवर्तित हो जाती है ।

(iv) क्रेच:-

शिशु देखभाल केन्द्र (क्रेच) बच्चों के लिए चलाए गए विशेष कार्यक्रम हैं । इसमें उन बच्चों को रखा जाता है जिनकी घर में देखभाल करने वाले लोगों का अभाव होता है ।





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(\*) (i) (1.) जीविका शिक्षा (ii) चिकित्सा  
(iv) मूलभूत (2) मोतिबिद्यया

(vi) कपड़ों पर धुलाई करने के बाद पड़ने वाली सट सलवटों की समतल करने के लिए हमें वस्त्रों पर इस्तरी (प्रेस) करने की आवश्यकता होती है।

(vii) चैक इन :-

यह अतिथि के आगमन की अवस्था होती है। जिसमें होटल के प्रबंधक द्वारा अतिथि का नाम और जानकारी रजिस्टर में दर्ज की जाती है।

(viii) जनसंपर्क :-

जनसंपर्क मुख्यतः सभी लोगों में आपसी संचार, आदान-प्रदान और आपसी प्रेम होता है।

(v) बेगनी

प्रश्नोत्तर संख्या :- 4

(\*) महिलाओं के लिए हम निम्न दो प्रयास करेंगे :-

(i) महिलाओं की आर्थिक - सामाजिक दृष्टि से सशक्त बनाने का प्रयास करेंगे।

P.T.O.



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ii) महिलाओं की वित्तीय दृष्टि से सशक्त बनाने का प्रयास करेंगी।

- प्रश्नोत्तर संख्या:- 5 -

(i) हम परिवार के वृद्धजनों की नरम और शौरबाधुक्त आहार देंगे।

(ii) वृद्धजनों के लिए पौष्टिक भोजन प्रणाली तैयार करेंगी।

(iii) उनके लिए ऐसी भोजन का चयन करेंगी जो पचने में आसान हो।

(iv) उनके लिए अधिक वसा और लवणयुक्त भोजन की मात्रा को सीमित रखेंगे।

(v) उनके समय-समय पर आहार प्रदान करेंगे।

- प्रश्नोत्तर संख्या:- 8 -

प्रारंभिक बाल्यावस्था और देखभाल व शिक्षा के कार्यक्षेत्र निम्नालिखित हैं:-

(i) डे केयर सेंटर:-

डे केयर सेंटर (दिवस देखभाल केंद्र)



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

पूरे दिन के कार्यक्रम होते हैं। इनमें बच्चों की देखभाल के साथ-साथ उनकी खाने-पीने, खेलने और सीखने संबंधी आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाता है।

(ii) केच:-

केच या शिशु देखभाल केन्द्र भी पूरे दिन के कार्यक्रम होते हैं। इनमें उन बच्चों की देखभाल की जाती है जिनकी घर में देखभाल करने वाले लोगों का अभाव है।

(iii) मॉन्टेसरी स्कूल:-

यह बच्चों के लिए विद्यालयी पूर्व स्कूल होते हैं। यह स्कूल मारिया मॉन्टेसरी के आधिनस्थ चलाए जाते हैं।

(iv) आँगनवाड़ी शिक्षा केन्द्र:-

यह विद्यालयी पूर्व के शिक्षा केन्द्र होते हैं। यहाँ बच्चों की खेल-खेल में लिखना-पढ़ना सिखाया जाता है।

P.T.O.





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

— प्रश्नोत्तर संख्या: - 10 —

अस्पताल का नाम.....

रसीद संख्या:.....

देने वाले का नाम.....

दिनांक.....

समय.....

| क्र.सं. | वस्त्र का नाम व रंग | वस्त्रों की संख्या | विवरण |
|---------|---------------------|--------------------|-------|
| 1.      |                     |                    |       |
| 2.      |                     |                    |       |
| 3.      |                     |                    |       |
| 4.      |                     |                    |       |
| 5.      |                     |                    |       |
| 6.      |                     |                    |       |

प्रबंधक  
(हस्ताक्षर)

— प्रश्नोत्तर संख्या: - 13 —

बाह्य संप्रेषण:-

बाह्य संप्रेषण संगठन के सदस्यों और बाहरी दुनिया के मध्य होता है। इसमें किसी संगठन द्वारा लोगों को संप्रेषण के प्राप्ति जागरूक किया जाता है। बाह्य संप्रेषक वाले लोग समूहों में बटकर लोगों को

P.T.O.





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

सामाजिक, आर्थिक और संचार के प्रति  
जागरूक करना है।  
इसमें बहुत से लोग मिलकर - एकजुट  
होकर कार्य करते हैं।

— प्रश्नोत्तर संख्या :- 15 —

बाजार में मसाले और दूध खरीदते समय  
हम निम्न प्रकार हो जा सकते हैं :-

(i) मसाले और दूध की उनकी कीमतों  
से अधिक मूल्य में हमें दे देते हैं, जिस  
और हम ध्यान नहीं दे पाते हैं।

(ii) धुक्ता द्वारा माप-तौल में गड़बड़ी  
करने पर भी हम ठगी का शिकार  
बन जाते हैं।

(iii) मसालों की पैकिंग की ध्यान में रखते  
हम ही हमें उन्हें खरीदना चाहिए  
अन्यथा हम शोषण का शिकार  
बन सकते हैं।

इस प्रकार बहुत से ऐसे कारण हैं  
जिनसे हम ठगे जा सकते हैं।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर संख्या:-16।

देश में चल रहे पोषण कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं:-

(i) एकीकृत बाल-विकास सेवाएँ:-

यह प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल-विकास के लिए विस्तारित कार्यक्रम है।

(ii) पूरक आहार कार्यक्रम:-

इसमें मध्याह्न भोजन साम्मिलित है।

(iii) भोजन सुरक्षा कार्यक्रम:-

भोजन सुरक्षा कार्यक्रम जैसे:- अन्नपूर्णा योजना, किसी कार्य के बदले अनाज कार्यक्रम आदि।

(iv) पोषण-हीनता<sup>नियंत्रण</sup> कार्यक्रम:-

इस कार्यक्रम के अंतर्गत वे वस्तुएँ और सेवाएँ होती हैं जो पोषण की कमी को पूरा करते हैं। जैसे - विद्यालयों में दिया जाने वाला भोजन और गोपाल दूध योजना।

(v) सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम:-

इसमें अनेक कार्यक्रम साम्मिलित हैं। जैसे:- बाल सुरक्षा

P.T.O.





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

कार्यक्रम तथा समाज के सभी लोगों के  
लिए अन्य सुरक्षा के कार्यक्रम आदि ।

— प्रश्नोत्तर संख्या :- 17 — (अथवा)

छोटे बच्चों की औपचारिक स्कूली शिक्षा  
से पहले विशेष अनौपचारिक कार्यक्रम  
की विशेष आवश्यकता होती है, क्योंकि:—

(i) औपचारिक स्कूल में जाने से पहले बच्चे  
की यह जानकारी होनी चाहिए कि  
यह विद्यालय क्यों जाता है, जिसकी  
जानकारी उसे अनौपचारिक शिक्षा द्वारा  
ही मिल सकती है ।

(ii) औपचारिक स्कूल में जाने से पहले  
बच्चे को बोलना, व्यवहार करना  
सिखाना आदि बातें अनौपचारिक स्कूलों  
में ही सिखायी जाती हैं ।

(iii) अनौपचारिक स्कूल बच्चों के लिए  
ऐसा वातावरण तैयार कर देते हैं  
जिससे उन्हें औपचारिक विद्यालयों में  
कठिनाई ना आये ।

P.T.O.



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(iv) अनौपचारिक विद्यालयों में बच्चों की वह सब-कुछ सिखाया जाता है जो उसे औपचारिक स्कूलों में जानने पर दुर्विधा न दे ।

(v) इसमें बच्चों को अनेक जीवन कौशल सिखाए जाते हैं ।

प्रश्नोत्तर संख्या :- 19 :-

अथवा

बच्चों व युवाओं के लिए अपना निजी संस्थान खेलने की योजना बनाने वाले मित्र को हम निम्न प्रकार से सलाह देंगे :-

(i) हम अपने दोस्त की सलाह के रूप में बताएंगे की वह ऐसी जगह पर अपना संस्थान खोलें जहाँ उसकी सबसे ज्यादा जरूरत हो ।

(ii) हम अपने दोस्त से कहेंगे कि वह ऐसी संस्थान का निर्माण करें सभी प्रकार की सुख-सुविधाएँ उपलब्ध हों ।

(iii) हम अपने दोस्त से कहेंगे कि वह निराश्रित बच्चों और युवाओं की संस्था में लेकर उन्हें सुरक्षा प्रदान करें ।

P.T.O.



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(iv) हम उससे कहेंगे कि वो अपनी संस्था को ईमानदारी से संचालित करे ।

(v) हम अपने दोस्त की सलाह देंगे कि वह बच्चों और युवाओं को नये-नये कौशल प्रदान करे ।

(vi) हम अपने दोस्त की सलाह देंगे कि संस्था का निर्माण ऐसे परिवेश में होना चाहिए जिसमें लोगों की भावनाएँ, शारीरिक संचालन आदि गुण विद्यमान हों ।

BSER-179/2024

— प्रश्नोत्तर संख्या: 20 —

हमारे क्षेत्र में विकास संचार हेतु प्रयोग में लाई जाने वाली विधियाँ निम्नलिखित हैं:-

(i) इंटरनेट :-

इंटरनेट द्वारा हम विकास संचार को बढ़ा सकते हैं। विकास संचार इंटरनेट द्वारा कहीं पर भी किसी भी समय उपलब्ध रहता है। यह विकास संचार का सबसे सरल तरीका है ।

P.T.O



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

(ii) टी.वी. :-

विकास संचार के लिए टी.वी. भी एक प्रमुख माध्यम है। इसके द्वारा हम खबरी और सूचनाओं को देख और सुन सकते हैं। यह विकास संचार को सरल बना देता है।

(iii) रेडियो :-

रेडियो एक श्रव्य और न्यून माध्यम है। इसके द्वारा हम विकास संचार से संबंधित जानकारी को कहीं पर भी पहुँचा सकते हैं। इससे जानकारी, वृत्त, घटी घटनाओं आदि को सुन सकते हैं।

(iv) समाचार-पत्र :-

दैनिक रूप से हमें मिलने वाली पत्र-पत्रिकाओं और समाचार पत्रों द्वारा हम अपनी विकास संचार की तकनीकों और गतिविधियों को हाप सकते हैं।

(v) फैक्स :-

हमारे क्षेत्र में फैक्स द्वारा भी विकास संचार किया जाता है। यह भी संचार का एक सरल माध्यम है।

इस प्रकार हम अपनी विकास संचार की इन गतिविधियों द्वारा बढ़ा सकते हैं।



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर संख्या - 6 :-

(i) खाद्य प्रौद्योगिकी में व्यवसायिक बनने के लिए हमें खाद्य पदार्थों की पूरी जानकारी होनी चाहिए ।

(ii) इसके लिए हमें खाद्य पदार्थों पर लगने वाले खाद्य मानकों का ज्ञान होना आवश्यक है ।

(iii) इसके लिए हम पूरी तरह शिक्षित होना आवश्यक है ।

प्रश्नोत्तर संख्या - 7 :-

| कोडेक्स                                               | आई. एस. ओ.                                        |
|-------------------------------------------------------|---------------------------------------------------|
| (i) यह स्वच्छ है ।                                    | यह एक मानकीकरण चिन्ह है ।                         |
| (ii) यह कोडेक्स-इंडिया द्वारा संचालित किये जाते हैं । | यह खाद्य व्यंजनों द्वारा प्रमाणित किये जाते हैं । |
| (iii) यह कभी भी बदले जा सकते हैं ।                    | इन्हें बदलने के लिए विशेष कानून होते हैं ।        |



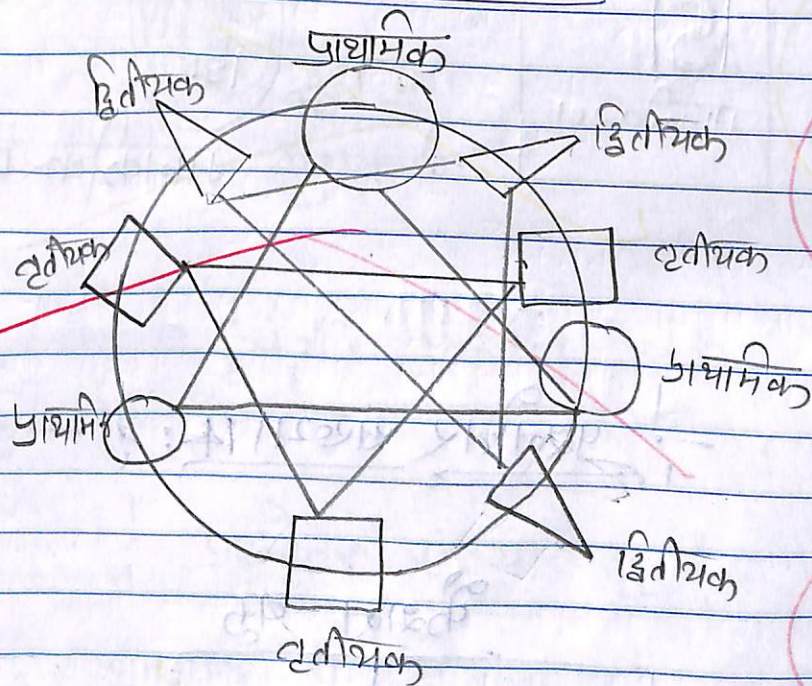


प्रश्नोत्तर संख्या:- 12 :-

आंतरिक डिजाइन:-

आंतरिक डिजाइन वह होते हैं जो वस्त्र को रूप-रंग प्रदान करते हैं। यह वस्त्रों को तैयार करने का कार्य करते हैं तथा स्क्रीन पर इनके नमूने दिखाए जाते हैं।

प्रश्नोत्तर संख्या-9:-



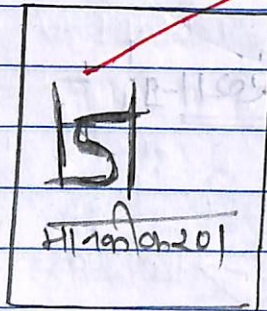
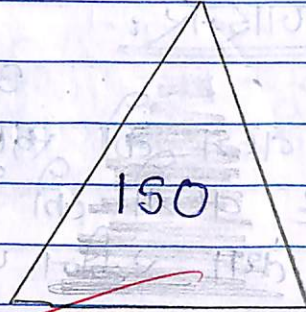
चित्र - रंग चक्र



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

प्रश्नोत्तर संख्या :- 18 :-



मानकीकरण वि-ह

प्रश्नोत्तर संख्या 14 :-

फैशन-चक्र

आंतरिक  
डिजाइनर

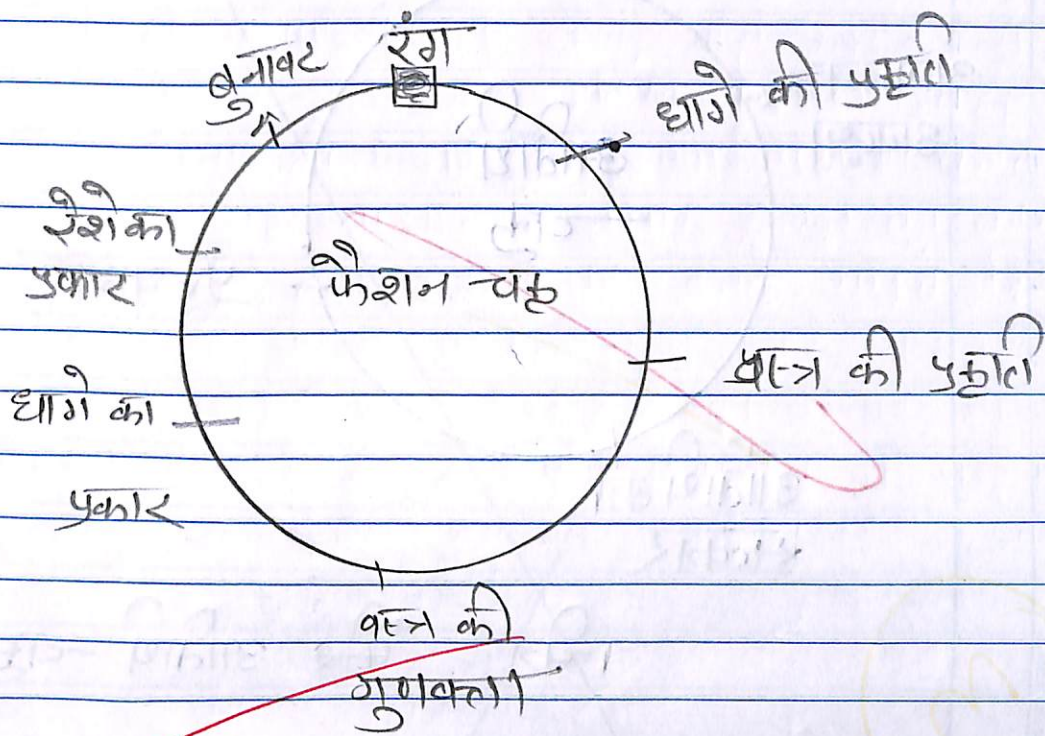
बाह्य डिजाइनर

सीट डिजाइन



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर



चित्र:- फैशन चक्र

प्रश्नोत्तर संख्या:- 11 :-

- (i) आगमन पूर्व अवस्था
- (ii) आगमन अवस्था
- (iii) आतिथी का सत्कार
- (iv) पस्थान ।

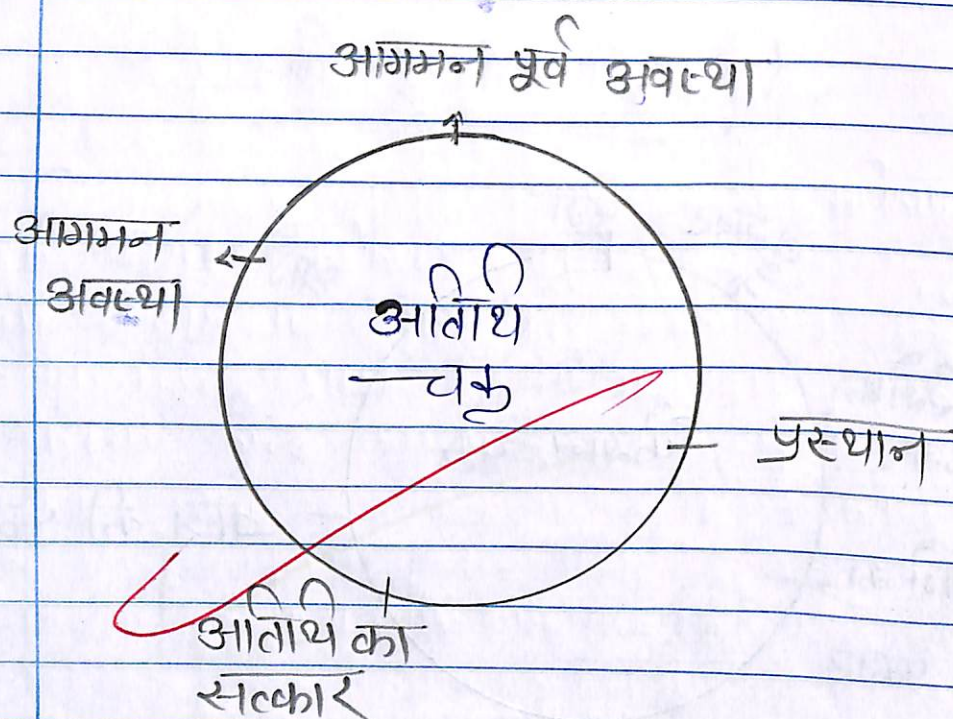
चित्र आगे है →

P.T.O.



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर



चित्र :- कैश आतिथि चक्र ।

— ! समाप्त ! —







परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/2024



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024





परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक      प्रश्न संख्या      परीक्षार्थी उत्तर







परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024





परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर



परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंकप्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-17/2024









परीक्षक द्वारा  
प्रदत्त अंक

प्रश्न  
संख्या

परीक्षार्थी उत्तर

BSER-179/2024



